नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिएस, बिबिएस र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक २९२ वि.सं. २०८२ वैशाख ३० गते मंगर थारु सम्वत (२६४८) [Tuesday 13 May 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

जेसि कार्यान्वयनके चुनौती ओ लैङिक समानता प्रवर्द्धनके लाग प्रतिविम्बात्मक सवांद

"लैंगिक समानताके लाग प्रतिवद्ध बटी"

पहुरा समाचारदाता

हसुलिया, २९ बैशाख । कैलारी गाउँपालिकाके अध्यक्ष राजसमझ चौधरी लैङिक समानताके लाग गाउँपालिका प्रतिवद्ध रहल बटैले बटै ।

ओरेक नेपालके आयोजना तथा युएन वुमन, साउमी फिनल्याण्डके सहयोगमे सोम्मारके रोज हसुलियामे हुइल जेसि कार्यान्वयनके चुनौती ओ लैङिक समानता प्रवर्द्धनके लाग प्रतिविम्बात्मक सवांद कार्यक्रममे उ बाट बत्वाइल हुइट । लैङिगक समानताके लाग पालिकासे महिला तथा मानव अधिकारके क्षेत्रमे कार्यरत गैरसरकारीसे समन्वय करके टमान मेरिक कार्यक्रम कैटी बा ।

अभिनफे लैङिगक समानताके लाग बहुट काम कैना बाँकी बा, गाउँपालिका अध्यक्ष कहलै, 'स्थानीयस्तरमे लैङिक हिंसा निवारण कोषके लाग बजेट रहल मने नीति नैबनल ओरसे हाली बनाके कार्यान्वयन कैजाई ।

गाउँपालिका उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरी लैङिगक समानताके लाग टमान वडामे महिलाहुकनके आर्थिक शसक्तीकरणके लाग बजेट विनियोजना करके कार्यक्रम हुइटी रहल बटैली । महिलाहुके आर्थिक रुपमे सवल नैहुइटसम लैङिक हिंसामे पर्ना ओरसे सीपमुलक आयमुलक तालिम डेहल उहाँ बटैली ।

वडा नम्बर ५ के वडा अध्यक्ष विष्णुप्रसाद चौधरी पाछे पारल वर्ग समुदायहे सम्मान व्यवहार कैटी राज्यके डेना सेवा सुविधामे पहुँच पुगैना उद्देश्यसे आघे बहल बटैलै ।

कार्यक्रममे ओरेक नेपालके कार्यक्रम व्यवस्थापक सुलोचना खनाल लैससास नीति तथा रणनीति कार्यान्वयनमे रहल प्रमुख चुनौती ओ सम्बोधनमे सरोकारवाला निकायके भूमिकाबारे प्रस्तुतीकरण करल रहिट ।

नेपालके संविधानमे लैङिगक समानता सम्बन्धी टमान मेरिक अधिकार सुनिश्चित करल मने कार्यान्वयन नैकरल उहाँ बटैली । दिगो विकास लक्ष्यमे सन २०३० मे आपुगटसम सक्कु मेरिक लैङिगक विभेदके अन्त्य करेपर्ना कहल मने पोलिसी बनाके कार्यान्वयनके नैहुइल उहाँ जनैली ।

नेपालके संविधानके धारा १८ मे समानताके हक, धारा ३८ मे महिलाके अधिकार, धारा ४० मे दलितके अधिकार, धारा ५० मे राज्यके निर्देशक सिद्धान्त, लैंगिक समानता, समानुपातिक समावेशिकरण, स्थानीय सरकार संचालन ऐन २०७४ लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावशीकरण (लैससास) गाउँपालिका तथा नरपालिकाके काम, कर्तव्य र अधिकारमे लैससास सम्वन्धी व्यवस्था उल्लेख करल बा ।

वडा समितिके काम, कर्तव्य अधिकार अन्तर्गत वडामे आर्थिक तथा सामाजिक रुपमे पपाछे पारल महिला, बालबालिका, दलित अपांगता रहल व्यक्ति, जेष्ठ नागरिक, अल्पसंख्यक, सीमान्तकृत सम्मुदायके अभिलेख राखके सामाजिक ओ आर्थिक उत्थान सम्बन्धी काम कैना व्यवस्था रहल बा ।

स्थानीय तहके लाग लैङिक समानता ओ सामाजिक समावेशिकरण परीक्षण दीगदर्शन २०७८, रास्ट्रिय लैंगिक समानता नीति २०७७ रहल बा ।

लैङिक हिंसाके अवस्था हेरेबेर सन २०२३/२०२४ मे नेपाल प्रहरीके तथ्यांक अनुसार लैङिक हिंसा घटना १६ हजार ४१६ ठो दर्ता हुइल रहे । उ मन्से ७८.३ प्रतिशत अर्थात १२ हजार ८४६ घटना घरेलु हिंसाके रहे । सुदूरपश्चिममे केल्ह १ हजार ६१४ ठो घटना दर्ता हुइल रहे ।

उहे अवधिमे ओरेक नेपालसे अभिलेखीकरण करल लैङिक हिंसाके घटना १३ सय ९३ ठो रहल बा । जेम्ने घरेलु हिंसाके सबसे ढेर ९११ ठो रहल उहाँ जनैली ।

ओस्टेक दुसर एक संस्थाके करल अध्ययन अनुसार हिंसा भोग्न ६१ प्रतिशत नेपाली महिला सामाजिक कलङ्क, प्रतिशोधके डर ओ सहयोगके अभावके कारण आपन अनुभव लुकैना बाध्य रहल बटै ।

लैससास मुल प्रवाहीकरणके लाग आवश्यक तत्व राजनैतिक दृढता तथा नेतृत्व, नीतिगत ढाँचा, सरकारी संरचना, संयन्त्र ओ प्रक्रिया, साधान स्रोत, तथ्यांक तथा सूचना प्रणाली, विश्लेषण कैना ज्ञान तथा औजार आवश्यक रहल कार्यक्रम व्यवस्थापक खनाल जनैली ।

कार्यक्रममे लैङिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरणके लाग पालिकामे हुइल प्रयास नीति, निर्देशिका, कार्यविधिबारे छलफल कैगिल रहे । ओस्टेक जेसि नीति *(बाँकी ३ पेजमे)*

नेरुडे मिर्मिरे लघुवित्तसे केन्द्र प्रमुख गोष्ठी तथा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम

पहुरा समाचारदाता

हसुलिया, २९ बैशाख । नेरुडे मिर्मिरे लघुवित्त वित्तीय संस्था लिमिटेडसे सुदूरपश्चिम प्रदेश कार्यालय अर्न्तगत रहल शाखा कार्यालय हसुलिया कैलालीके केन्द्र गोष्ठी तथा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम सम्पन्न करले बा ।

केन्द्र नम्बर ९ के प्रमुख सुनिता चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे प्रमुख अतिथि कैलारी गाउँपालिका उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरी रहल रहिट । कार्यक्रममे सम्बोधन करटी उहाँ लघुवित्तसे कर्जा लेके सहि सदुपयोग कैना आग्रह करल रहिट ।

उहाँ कहली, 'जौन उद्देश्यसे कर्जा लेली ओकर सही सदुपयोग कैबी टे सफलता हासिल करेसेक्बी । कर्जाके सही सदुपयोग करुइया बहुट प्रगती करलेस बटै । लघुवित्तसे एक जानेक लेहल कर्जा दुसर जानेक बचत हुई सेकठ । काम लगाके समयमे लौटैलेसे दुसर जाने मौका पैही ।'

उहाँ कहली, 'पहिले गाउँठाउँमे बैंक तथा वित्तीय संस्थाके उपस्थिति नैरहेबेर गाहोसाहोमे पैसा खोज्ना करा रहे । महाजनसे ऋण लेहे परे । किसानके कृषि उपज उत्पादन हुइटीकी महाजन उ आपन मनमौजी मुल्य तोक्के धान, गाँहु तौलके लैजाए । अब्बे अपने गाउँघरमे सहकारी तथा बैक वित्तीय संस्थाके उपस्थित बा । सहजे कर्जा लेहे सेक्ना व्यवस्था । कर्जा लेहटी कलेसे समयमे लौटाई ।

स्वागत तथा कार्यत्रमके उद्देश्यबारे हसुलिया शाखाके कर्मचारी नरेश कुवँर जानकारी डेहल रहिट ।

कार्यक्रममे संस्थाके संक्षिप्त परिचय प्रस्तुतीकरण, कर्जा, बचत, संस्थाके विध्यमान सेवा सुविधा, ग्राहक संरक्षण कोष ओ वित्तीय *(बाँकी ४ पेजमे)*

थारु लेखक संघके पचवाँ वार्षिक साधारण सभा निम्लज

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २९ वैशाख । थारु लेखक संघ, नेपालके पचवाँ वार्षिक साधारण सभा सोम्मारके रोज धनगढीमे एक कार्यक्रम बिच निम्लज बावै ।

थारु लेखक नेपालके अध्यक्ष जीतबहादुर चौधरी 'ट्रासन'के घरगोसियाइमे हुइल कार्यक्रमके बर्का पहुना वरिष्ठ साहित्यकार यज्ञराज यात्री रहल रहिट ।

कार्यक्रमहे सम्बोधन कैटी बर्का पहुना यात्री आपन भाषा, कला रीति संस्कृति चालचलन, रहन सहन बचैना आवश्यक रहल बटाइल रहिट । उहाँ कहलै, 'आपन पन सबकुछ होवई, आपन आपन हो । ओहेमारे हम्रे आपन भाषा, कला रीति संस्कृति चालचलन, रहन सहन सक्कु चीज बचैना आवश्यक रहल बावै ।'

ओकर लाग उहाँ थारु लेखक संघ, थारु साहित्यकार, पत्रकार कलाकारहुकनके मुख्य जिम्मेवारी रहल फेन बटाइल रहिट ।

कार्यक्रममे बोलुइया सक्कुजाने फेन थारु भाषा, कला, साहित्यहे बचैना जरुरी रहल बटाइल रहिट । उहाँहुके थारुहुकनके पहिचान, इतिहास बचाइक लाग सक्कु जाने लागे पर्ना औल्याइल रहिट ।

कार्यक्रमके खास पहुना तथा थारु लेखक संघके संस्थापक सदस्य माधव चौधरी, दिलबहादुर चौधरी, थारु लेखक संघके कानुनी सल्लाहकार जोहारीलाल चौधरी, थारु लेख संघके पूर्व अध्यक्ष सीताराम चौधरी, प्रतिभा महिला पुरस्कारके संस्थापक चन्द्रसिंह चौधरी, कर्मशील वचत तथा ऋण सहकारी संस्थाके अध्यक्ष रामप्रसाद चौधरी, फोनिज सुदूरपश्चिम प्रदेश इञ्चार्ज लखन चौधरी, फोनिज सुदूरपश्चिमके महासचिव भानुप्रताप राना, थारु लेखक संघके पूर्व उपाध्यक्ष सानु चौधरी, गायिक मनमति बखरिया, थारु चलचित्रके निर्देशक चन्द्र चौधरी 'चाँद', थारू गाउँ भादा होम स्टेके अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण चौधरीलगायत शुभकामना मन्तव्य व्यक्त करले रहिट ।

उहे बिच थारु लेखक संघ नेपालके सचिव अनिल कुश्मी आव २०८१/०८२ के वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करल रहिट । उहाँ वार्षिक क्रियाकलाप अन्तर्गत कैलारी गाउँपालिकाके स्थानीय विषयक् पुस्तक 'हमार कैलारी' कक्षा २ के लेखन, प्रकाशन ओ वितरण करल, धनगढीके गुरही चौकमे असराजैना गुहरी टिहवार कार्यक्रमके समन्वय सहकार्य ओ आयोजना, २०८१ साल फागुन १५ से १७ गतेसम बर्दियाके राजपुर-२, जोतपुरमे ९औं थारु साहित्य राष्टिय सम्मेलन आयोजनाके साथे उहे कार्यक्रममे बर्दियाके सुशील चौधरीहे नगद ५० हजार राशिके थारु साहित्य सम्मानसे पुरस्कृत ओ बेलारी नगरपालिका ७ कञ्चनपुरके सुनिता चौधरी सानुहे नगद २५ हजार राशीके प्रतिभा सशक्तिकरण पुरस्कारसे सम्मान करल जनाइल रहिट ।

ओस्टके, उहाँ आगामी कार्य योजना अन्तर्गत थारु लेखक संघके केन्द्रीय कार्यालय धनगढीमे स्थापना कैना, मासिक साहित्यिक कार्यक्रम कैना, आजीवन सदस्य संख्या वृद्धि कैना, अइना १०औं थारु साहित्य राष्ट्रिय सम्मेल २०८२ माघ १५ से १७ गते पर्सा जिल्लाके सुगौली पटेर्वा गाउँपालिकाके बेलवा गाउँमे कैना, विद्यार्थी साहित्य महोत्सव आयोजना कैना, थारु मौलिक बाजागाजा बजैना तालिम ओ सामाजिक कार्य ओर रक्तदान कैना कार्ययोजना रहल सुनाइल रहिट ।

ओस्टके थारु लेखक संघसे अब्बेसम पाँच जनहनहे थारु साहित्य सम्मानसे पुरस्कृत करल बटैलै । उहाँ कैलालीके लक्ष्मी राना, *(बाँकी २ पेजमे)*

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४७१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

अहिंसा, शान्ति ओ विश्वबन्धुत्वमे अग्रसर बनीः मियाँ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २९ वैशाख । सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रमुख नजिर मियाँ २५६९ औं बुद्ध जयन्तीके अवसरमे शुभकामना सन्देश जारी कैटी सक्कु नेपाली जनता तथा बौद्ध धर्मावलम्बीहे अहिंसा, शान्ति ओ मैत्रीके डगरा अँगल्ना आह्वान करले बटै ।

विश्व शान्तिके अग्रदूत तथा राष्ट्रिय विभूति गौतम बुद्धके शिक्षासे व्याप्त हिंसा, द्वेष ओ असहिष्णुताके अन्त्य करे सेक्ना विश्वास व्यक्त कैटी प्रदेश प्रमुख मियाँ बुद्धके विचार आभिन सान्दर्भिक रहल उल्लेख करले बटै ।

"अहिंसा नै शान्ति ओ मैत्रीके आधारशिला हो," शुभकामना सन्देशमे उल्लेख करल बा, "बुद्धसे डेहल प्रेम, सद्भाव ओ आत्मीयताके मार्गसे व्यक्तिके आध्यात्मिक उन्नति किल नैहोके, सामाजिक एकता ओ सहअस्तित्वहे फेन बलगर बनाइठ् ।"

बुद्ध जयन्ती बौद्ध धर्मावलम्बीनके पूजा, ध्यान, भिक्षादानलगायतके विविध धार्मिक विधिसे श्रद्धापूर्वक मनैना परम्परा रहल प्रदेश प्रमुखके सन्देशमे उल्लेख करल बावै ।

शुभकामना सन्देशमे उहाँ समाजमे सहिष्णुता, धार्मिक सहअस्तित्व ओ राष्ट्रिय एकता कायम राखक लाग बुद्धका शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ना विश्वास व्यक्त करले बटै ।

सन्देशमे प्रदेश प्रमुख मियाँ बुद्ध जयन्तीके अवसरमे सम्पूर्ण मानवजातिहे हिंसा ओ युद्धके डगरा परित्याग कैके अहिंसा, मैत्रता ओ विश्वबन्धुत्वके मार्गमे अग्रसर हुइना प्रेरणा मिले कना शुभेच्छा समेत व्यक्त करले बटै ।

बुद्ध जयन्तीके उपलक्ष्यमे देशभर सार्वजनिक बिदासहित विविध कार्यक्रमके आयोजना कैके जयन्ती मनागैल बावै ।

थारु लेखक संघके...

बर्दियाके शेखर दहित ओ सुशील चौधरी, दाङ देउखरके दोषहरण चौधरी ओ सुनसरीके रामसागर चौधरीहे उ पुरस्कारसे पुरस्कृत करल हो ।

ओस्टके प्रतिभा महिला सशक्तिकरण पुरस्कारसे दाङदेउरखके मन्जिता चौधरी, बाराके शान्ति चौधरी ओ कञ्चनपुरके सुनिता चौधरी सानु सहित ३ जनहनहे पुरस्कृत करल जनाइल बावै ।

ओस्टके, कार्यक्रममे कोषाध्यक्ष दुर्जनकुमार चौधरी आव २०८१/०८२ के आयव्यय विवरण प्रस्तुत करल रहिट । उहाँ आठ लाख ८७ हवार १०८ रुप्या बराबरके आयव्यय प्रस्तुत करल रहिट ।

उ अवसरमे साहित्यक क्षेत्रमे योगदना पुगाइल वापत वरिष्ठ साहित्यकार यज्ञराज यात्रीहे सम्मान करगिल रहे ।

कार्यक्रममे थारु लेखक संघके जिल्ला कार्यसमिति सदस्य राजुराज चौधरी स्वागत करले रहिट कलेसे सञ्चालन सहसचिव दिनेश संगम करले रहिट ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी

विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

शान्ति निर्विकल्प डगर

विचार

राजी दाहाल

आजके दिनमे हेरके बुद्धके समयमे हुइल परिवर्तन भारी सामाजिक क्रान्ति रहे । काहेकि समाजमे हुइना भेदभाव, छुवाछुत, वर्णाश्रम, जातिपाती जस्टे मान्यताके विरुद्ध रहैं उहाँ । यिहिनसे सिंगो मानव समुदायहे दान, करुणा ओ प्रेम करे सेक्जए । बुद्धके बोली ओ व्यवहार एक रहे । उहाँ एकडम शान्त ओ सौम्य रहैं । उहाँमे कौनो उत्तेजना, आवेग, रिस, राग कुछ फेन नैरहे । बुद्ध सत्यमार्गहे धर्म कहले बटैं । उहाँ मानव समुदायहे ध्यानके डगरसे सत्मार्गमे नेंग्ना सिखैलैं । मानवजगत् किल नैहोके समस्त प्राणीजगत ओ प्रकृतिजगत्के कल्याण, संरक्षण ओ संवर्धन बौद्ध दर्शनके मूल सार हो । बुद्ध सारा संसार अनित्य बा कले बटैं । अर्थात् संसार क्षण-क्षणमे परिवर्तनशील बा कना बुद्ध दर्शनके औरे सक्कु सार हो । अस्टेक बौद्ध दर्शनके सार कलेक चार आर्यसत्य ओ अष्टांगिक मार्गके अनुसरण हो । बुद्धके चार आर्य सत्य दुखः बा, दुखःके कारण बा, दुखःके निवारण बा ओ दुःखके अन्त्य बा । उहाँ सम्यक् दृष्टि, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वचन, सम्यक् कर्म, सम्यक् आजीविका, सम्यक् व्यायम, सम्यक् स्मृति ओ सम्यक् समाधि आठ मार्ग रहे वा ध्यानसे प्राप्त हुइना शील, समाधि ओ प्रज्ञाके डगर उत्तम डगर हो कले बटैं । यी मार्गके पालना विश्वशान्तिके प्रारम्भविन्दु हो । बौद्ध दर्शन विश्व शान्तिके लाग एक अइसिन शक्तिशाली अस्त्र हो, यिहिनसे औरे कौनो दर्शन, धर्म ओ संस्कारप्रति घृणा जागृत नैकरठ ओ प्रत्येक मनैन्के मन, वचन ओ आचरण समानता, अहिंसा ओ सहिष्णुतामे आधारित हुइ परठ कना मान्यता ढरठ । काहेकि जबसम मनैन्बीच द्वेष, घृणा, विभेद, असमानता, लोभ ओ आशक्ति रहि तबसम शान्ति असम्भव बा । २५ सय वर्षआघेक उहाँक यी विचार आजके समाजमे फेन ओत्रे सान्दर्भिक बा । यिहे कारण समाज विकसित हुइलसँगे बुद्धके अनुयायी बह्वल बटैं ।

विनाशकारी दोसर विश्वयुद्धपाछे शक्तिराष्ट्रहे फेन का बाटके अनुभूति हुइ कलेसे युद्ध कौनो फेन बाटके विकल्प नैहो, शान्ति निर्विकल्प हो । ओकरपाछे विश्वशान्तिके लाग सन् १९४५ मे संयुक्त राष्ट्रसंघके स्थापना हुइल हो । विश्वयुद्धसे निम्त्याइल विनाशके स्मरण करटि राष्ट्रसंघके बडापत्रके प्रस्तावनामे कहल बा,

- हम्रे जीवन-कालमे दुई चो मानव-जातउप्पर अकथित दुःख नन्ना युद्धके मारसे भावी सन्तानहे बचैना, ओ
- मौलिक मानव-अधिकारमे, मानवीय व्यक्तिके मर्यादा ओ मूल्यमे, भारी ओ छोट राष्ट्रमे, एवं नरनारीके समान हकमे विश्वास पुनः दृढ करैना तथा
- सन्धि तथा अन्तर्राष्ट्रिय कानुनके अन्य स्रोतसे उत्पन्न हुइल दायित्वप्रति न्याय ओ सम्मानके स्थिति कायम ढरना, एवं
- बृहत्तर स्वतन्त्रतामे सामाजिक प्रगति ओ जीवनके उच्चतर स्तर बह्रैना निश्चय करल,

ओ, यी उद्देश्यके लाग

- सहिष्णुताके व्यवहार करना तथा असल छिमेकी होके आपसमे शान्तिपूर्वक सँगसँगे बैठ्ना,
- तदनुसार, हमार अपनअपन सरकारसे सही ओ उचित रूपमे अधिकार प्राप्त तथा सनफ्रान्सिस्को नगरमे जम्मा हुइल प्रतिनिधिमार्फत संयुक्त राष्ट्रके वर्तमान वडापत्रहे मन्जुर करल बा, तथा यिहिनसे 'संयुक्त राष्ट्र' कना ज्ञात रना अन्तर्राष्ट्रिय संगठनके स्थापना करठैं ।

यी बडापत्रके उद्देश्यके प्राप्तिके लाग कहल तीन वर्षपाछे सन् १९४८ डिसेम्बर १० मे मानव अधिकारके विश्वव्यापी घोषणापत्र जारी हुइल हो । ओहे घोषणापत्रके आधारमे विश्वके सब मनैन्के लाग नागरिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक ओ सांस्कृतिक अधिकारलगायत रङभेद, वर्णभेद, अन्य सबमेरिक विभेद ओ यातना तथा क्रूर एवं सब अमानवीय व्यवहारविरुद्ध महासन्धि बनाइल हो । महिला, बालबालिका, आदिवासी, जनजाति, दलित, अल्पसंख्यक सबके समान अधिकारके सन्धिसम्भौता जारी करगिल । अइसिके जारी करल महासन्धि तथा सन्धिसम्झौतामे हस्ताक्षर कैके सदस्य राष्ट्र अनुमोदन फेन करले बा टब फेन व्यवहारमे ओकर पूर्ण रूपमे कार्यान्वयन हुइ सेकल नैहो । यकर लाग घरेलु तहमे हरेक देश संविधान, नीतिनियम ओ कानुन निर्माण तथा ओकर कार्यान्वयन ओ कानुनी उपचारके लाग टमान संरचना खडा करल बा टब फेन संसारभर विभेद, हिंसा, गरिबीसँगे विपन्नता ओ अशान्तिके खाडल गहिर हुइटि बा ।

दोसर विश्वयुद्धके विभिषिकासे उत्पन्न परिस्थितिपाछे कौनो फेन बाटके विकल्प युद्ध नैहो, शान्ति निर्विकल्प हो कटि युद्धके मारसे भाबी सन्तानहे जोगाइक लाग राष्ट्रसंघसे अइसिन अवधारणा नन्ना फेन आठ दशक पूरा हुइल बा टब फेन आजके दिनमे संसारके टमान मुलुक आन्तरिक वा बाह्य द्वन्द्व ओ युद्धके भयसे ग्रस्त बा । द्वन्द्व अइसिके विस्तार हुइल बा कि द्वन्द्व नैरह कौनो घर, परिवार, समाज ओ राष्ट्र नैहो कलेसे फेन हुइठ । विश्वके टमान भागमे हिंसात्मक द्वन्द्व ओ युद्ध चलल बा । इजरायल, प्यालेन्टाइन द्वन्द्व रहे या रुस, युक्रेन द्वन्द्व लम्मा समयसे जारी बा । जौनफेन ठाउँमे जौनफेन नाममे हुइलेसे फेन आखिर द्वन्द्वसे निम्त्याइल कलेक विनाश रहठ । ओइसिन द्वन्द्वसे उत्पन्न मानवीय क्षतिके कारण सभ्य समाज शिर निहुराइपरना अवस्था बा । द्वन्द्वके कारण हरेक वर्ष विश्वमे अत्रा ढेर भौतिक क्षति हुइना करल बा, जेकर कौनो हिसाबकिताब नैहो । जेकर कारण सिंगो विश्व विकाससे दशकौं पाछे धकेलल बा ।

यिहे सेरोफेरोमे आणविक हतियार हुइल दुई छिमेकी मुलुक भारत ओ पाकिस्तानबिच चर्कल द्वन्द्व युद्धविराम करना दुनु मुलुक सहमत हुइल बा । युद्धविरामके लाग दुनु देश सहमति जनाइलपाछे शनिच्चर साँझ ५ बजेसे उ क्षेत्रमे खुसियाली छाइल अन्तर्राष्टिय सञ्चार माध्यम जनैले बा । जम्मु-काश्मीरमे २२ अप्रिलमे हुइल आतंकवादी आक्रमणाके जवाफ भारतसे पाकिस्तानउप्पर हवाई आक्रमण कैके डेहल रहे । पहलगामके पर्यटकीय क्षेत्रमे आतंककारी हमला होके एक जाने नेपालीसहित २६ जहनके मृत्यु हुइल रहे । ओहेलगत्ते भारत ओ पाकिस्तान एकऔरेक उडानमे प्रतिबन्ध किल नैलगाइल, एक देशके नागरिकहे औरे देश आउजाउ करना ओ आयात-निर्यातमे समेत रोक लगैले रहे । राष्ट्रसंघसे कटि आइल शान्ति निर्विकल्प समाधानके मुद्दाहे भारत पाकिस्तान युद्धविरामसे थप पुष्टि करले बा । यी दुई देशबिच लम्मा समयसे उत्पन्न कटुतापूर्ण सम्बन्धके कारण दक्षिण एसियाके अन्य मुलुकसे फेन अप्ठेरो अनुभव करना परल रहे । आशा करि, पाछेक युद्धविराम दुई देशबिचके सम्बन्ध सुधारमे एक महत्वपूर्ण कडी बने सेकि । यिहिनसे यी क्षेत्रके समग्र आर्थिक, सामाजिक विकासमे भारत पाकिस्तान युद्धविराम कोसेढुंगा हुइ सेकि ।

बुद्ध दर्शनके सान्दर्भिकता

शान्तिके प्रसंग उठिटसाथ आजसे २५६९ वर्षआघे लुम्बिनीमे जन्मल सिदार्थ गौतमके नाम सबसे आगे अइना करठ । विश्वमे शान्तिके सन्देश फैलैटि ओहे बुद्धके सम्झनामे हरेक वर्ष वैशाख शुक्ल पूर्णिमाके दिन बुद्धजयन्ती मनैना चलन रहल बा । २९ वर्षके उमेरमे दरबार छोरके नेंगल राजकुमार सिद्धार्थसे ३५ वर्षके उमेरमे ज्ञान प्राप्त करलैं । उहाँ राजकुमार पाछे जाके बुद्धके नामसे प्रसिद्ध हुँइलैं । ८० वर्षके जीवनकालमे बुद्ध ४५ वर्षसम अपन ज्ञान दुनियाँहे बँट्लैं ।

आजके दिनमे हेरके बुद्धके समयमे हुइल परिवर्तन भारी सामाजिक क्रान्ति रहे । काहेकि समाजमे हुइना भेदभाव, छुवाछुत, वर्णाश्रम, जातिपाती जस्टे मान्यताके विरुद्ध रहैं उहाँ । यिहिनसे सिंगो मानव समुदायहे दान, करुणा ओ प्रेम करे सेक्जए । बुद्धके बोली ओ व्यवहार एक रहे । उहाँ एकडम शान्त ओ सौम्य रहैं । उहाँमे कौनो उत्तेजना, आवेग, रिस, राग कुछ फेन नैरहे । बुद्ध सत्यमार्गहे धर्म कहले बटैं । उहाँ मानव समुदायहे ध्यानके डगरसे सत्मार्गमे नेंग्ना सिखैलैं । मानवजगत् किल नैहोके समस्त प्राणीजगत ओ प्रकृतिजगत्के कल्याण, संरक्षण ओ संवर्धन बौद्ध दर्शनके मूल सार हो । बुद्ध सारा संसार अनित्य बा कले बटैं । अर्थात् संसार क्षण-क्षणमे परिवर्तनशील बा कना बुद्ध दर्शनके औरे सक्कु सार हो ।

अस्टेक बौद्ध दर्शनके सार कलेक चार आर्यसत्य ओ अष्टांगिक मार्गके अनुसरण हो । बुद्धके चार आर्य सत्य दुखः बा, दुखःके कारण बा, दुखःके निवारण बा ओ दुःखके अन्त्य बा । उहाँ सम्यक् दृष्टि, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वचन, सम्यक् कर्म, सम्यक् आजीविका, सम्यक् व्यायम, सम्यक् स्मृति ओ सम्यक् समाधि आठ मार्ग रहे वा ध्यानसे प्राप्त हुइना शील, समाधि ओ प्रज्ञाके डगर उत्तम डगर हो कले बटैं । यी मार्गके पालना विश्वशान्तिके प्रारम्भविन्दु हो ।

बौद्ध दर्शन विश्व शान्तिके लाग एक अइसिन शक्तिशाली अस्त्र हो, यिहिनसे औरे कौनो दर्शन, धर्म ओ संस्कारप्रति घृणा जागृत नैकरठ ओ प्रत्येक मनैन्के मन, वचन ओ आचरण समानता, अहिंसा ओ सहिष्णुतामे आधारित हुइ परठ कना मान्यता ढरठ । काहेकि जबसम मनैन्बीच द्वेष, घृणा, विभेद, असमानता, लोभ ओ आशक्ति रहि तबसम शान्ति असम्भव बा । २५ सय वर्षआघेक उहाँक यी विचार आजके समाजमे फेन ओत्रे सान्दर्भिक बा । यिहे कारण समाज विकसित हुइलसँगे बुद्धके अनुयायी बह्वल बटैं ।

अन्त्यमे आन्तरिक वा बाह्य कौनो फेन द्वन्द्वसे समस्याके निकास निक्रे नैसेकठ । कौनो फेन मुलुक वा समाजमे विद्यमान द्वन्द्व अन्त्य कैके शान्तिके डगर अवलम्बन करनाके विकल्प नैहो । शान्तिके माला जपके द्वन्द्व ओ युद्धके खेती करना एकमेरिक धन्दा चलल बा । यी प्रवृत्ति सिंगो विश्वके घातक साबित हुइल बा । टबेमारे मानव कल्याणके लाग शान्तिके माला जपके करना द्वन्द्व ओ युद्धके खेती सदाके लाग अन्त्य हुइ परठ ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

नदी दोहनमे स्थानीय सरकार, पानीके अभावमे स्थानीय

बारा, २९ वैशाख । बकैया, दुधौरा, बालगंगा नदीमे मापदण्ड से चार गुणा ढेर मात्रामे बालु-गिट्टी उत्खनन हुइलेसे फेन सम्बन्धित निकाय मौन बैठल बा । नदी दोहनके व्यापक जन-गुनासो सब ओर बह्रलेसे फेन अइसिके सम्बन्धित निकाय मौन बैठलसे यम्ने रकमी चलखेल हुइल स्थानीयहुक्रे आरोप लगैले बटैं ।

बारा जिल्लामे अइसिके स्थानीय सरकारसे नदी दोहन रोके परनामे उल्टे ठेकेदारसँग मिलके नदी जन्य पदार्थ उत्खनन ओर लागल ओरसे तराईके दक्षिणी भेगमे पानीके मुहान सुखे लागल ओ पानीके हाहाकार हुइल बा । समयमे पानी नैपरके अवस्था अभिन विकराल हुइल बा । अइसिके नदी उत्खनन होके चुरे दोहनके प्रत्यक्ष असर भर, तराई मधेसके दक्षिणी भेगमे परल हो ।

नदी दोहनसे पानीके मुहान सुखलपाछे चापाकलमे पानी अइना बन्द हुइल नागरिक समाज बाराके अध्यक्ष उमेशलाल दास बटैलैं । उहाँ कलैं, अप्राकृतिक रूपसे चुरेसे निक्रल पानीके स्रोत बनल बा, नदी अइसिके दोहन होके पूर्व-पश्चिम लोक मार्गमे रहल दर्जनौं पुरान पुलके पिलर भस्ना अवस्थामे आइल बटैलैं ।

पुलके दुनु ओर उत्तर-दक्षिण ओर करिब १ किलोमिटरके दूरीमे निजगढ ओ कोल्हवी नगरपालिका गिट्टी-बालुवा उत्खनन करना ठेक्का लगाइलपाछे उ पुलमे जोखिमके चुनौती बह्रल बा, उहाँ कलैं ।

खोला ओ पुल आसपासके प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षणमे उल्लेख हुइलेसे ढेर मात्रामे खोला उत्खनन हुइल बा । अइसिके ठेक्का लेहलसे ढेर नदीजन्य पदार्थ उत्खनन होके वातावरणमे प्रभाव परलसँगे जिल्लाके तल्लो भागमे बर्सेनि पानीके समस्या हुइटि बा । अनियन्त्रित नदी उत्खननसे बाढ पहिरोके समस्या समेत खेपे परल विद्वानहुकनके पालिका ओ राज्य प्रति गुनासो बा ।

निजगढ नगरपालिकासे चालु-आर्थिक वर्ष २०८१/८२ के जेठ मसान्तसम श्रीगणेश सप्लायर्सहे एक करोड ३ लाख घनफिट बकेया खोला उत्खनन करना टेन्डर डेहल बा । मने, अनुगमनके क्रममे ठेक्काके म्याद औरैन अभिन एक महिनासे ढेर समय बाँकी रहलमे ३ गुणा ढेर नदी उत्खनन हुइल हो ।

अस्टेक कोल्हवी नगरपालिका ओहे खोलाहे ८० लाख घनफिट उत्खनन करना महागौरी सप्लायर्सहे टेन्डर डेले बा । ठेक्का बमोजिम १ महिना आगे ७५ प्रतिशत खोला उत्खनन होके सकेको प्रतिवेदन जिल्ला समन्वय समिति बारामे आइल बा । मापदण्ड अनुसार दैनिक तीन सय घन मिटर उत्खनन करेपरनामे ओकर कयौं गुणा ढेर उत्खनन हुइल समिति अनुमान करले बा । अभिन फेन व्यापक रूपमे खोला उत्खननके कार्य जारी रहल बा ।

यहोर नदी दोहनके गुनासो सर्वत्र आइलपाछे करल अनुगमनमे मापदण्ड से ढेर खोला उत्खनन हुइल जिल्ला समन्वय समिति बाराके प्रमुख नरेन्द्र साह स्वीकार करलैं ।

उहाँक नेतृत्वमे गैल टोलीसे करल अनुगमनमे निजगढ ओ कोल्हवी नगरपालिकासे लगाइल ठेक्का अनुसारसे अत्यधिक ढेर मात्रामे खोला उत्खनन हुइल मिलल पाछे उत्खननके नाप जोख करना निर्देशन डेहल बटैलैं । मने, उत्खननके कार्य रोके नैपरल । हमार प्राविधिक टोलीसे नाप जाँच करहि, मापदण्ड विपरीत हुइल पाइलमे ओकरपाछे खोला उत्खनन रोक्ना उहाँ कलैं ।

यहोर तत्काल खोलाके 'देप्थ ओ लेन्थ'के प्राविधिक परीक्षण करना निर्देशन डेहल ओ प्रतिवेदन आइलपाछे थप कदम चालल प्रमुख जिल्ला अधिकारी वसन्त अधिकारी बटैलैं ।

वराहक्षेत्रमे प्रकोप नियन्त्रण करजैटि

वराहक्षेत्र, २९ वैशाख । सप्तकोशी नदीके बाढ ओ कटानके जोखिममे परटि आइल वराहक्षेत्र मन्दिरपरिसरमे प्रकोप नियन्त्रणके लाग काम सुरु करल बा । वराहक्षेत्र मन्दिरपरिसरमे प्रकोप नियन्त्रणके लाग प्रदेश सरकारके प्राकृतिक प्रकोप नियन्त्रण योजनामार्फत काम सुरु करल हो ।

वराहक्षेत्र नगरपालिका-१ मे रहल वराहक्षेत्र मन्दिर हरेक वर्ष सप्तकोशी नदीमे अइना बाढसँगे मन्दिर क्षेत्र ओ जोरल बस्ती जोखिममे परटि आइल बा । सप्तकोशी ओ कोकाह नदीके संगमसे करिब तीन सय फिटउप्पर रहल मन्दिरपरिसरमे वर्षामे अइना बाढके प्रकोपसे हुइ सेक्ना क्षति रोक्न काम सुरु करल वराहक्षेत्र मन्दिर गुठी व्यवस्थापन समितिके भक्तबहादुर श्रेष्ठ बटैलैं । उहाँ कलैं, "कड्रिक्रटके ढलान कैके माटिहे थम्ना काम करल बा ।

प्रदेश सरकारके ३० लाख रुपियाँ बजेटसे काम हुइल बा ।" प्रत्येक वर्ष सप्तकोशी नदीमे अइना बाढसे मन्दिरपरिसर क्षेत्रके पूर्वी किनारमे

धक्का डेटि आइल रहे । गैल वर्ष आइल बाढसे मन्दिरपरिसरमे रहल वराह श्राद्धस्थल, गणेशमन्दिर, शनिमन्दिर, साकेला पार्क ओ शौचालयमे बाढीसे क्षति पुगैना मन्दिर व्यवस्थापन समिति जनैले बा । वराहक्षेत्र मन्दिरसँगे जोरल १५० घरपरिवार नदीके जोखिममे परटि आइल बा । तीन पुस्तासे बसोबास करटि आइल बस्ती जोखिममे परके स्थानीय चिन्तित बटैं ।

तीन हजार वर्षआघेक इतिहास बोकल वराहक्षेत्र मन्दिर नदीके जोखिममे परलपाछे चिन्ता थपल अध्यक्ष श्रेष्ठ बटैलैं । उहाँ कलैं, "१५ औं शताब्दीके इतिहास रहल प्राचीन मूर्ति वराहक्षेत्र मन्दिर बाढ पहिरोके उच्च जोखिममे परल बा । वराहक्षेत्र मन्दिरके अस्तित्व जोगैना सबके साथ ओ सहयोग आवश्यक बा ।"

लैंगिक समानताके...

कार्यान्वयनमे डेखल वा भोगल प्रमुख अवरोध का का बा । यी अवरोधहे सम्बोधन कैना व्यक्ति, संस्था ओ समुदाय का करेसेकी कना विषयबस्तुमे समुहगत कार्य कैगिल रहे ।

कार्यक्रममे टमान वडा अध्यक्षहुक्रे, कार्यपालिका सदस्य, ओरेक नेपालके प्रदेश संयोजक सपना थापा, जिल्ला संयोजक गीता चौधरी, ओरेक नेपालके टिम, सरोकारवालानिकायके प्रतिनिधिहुकनके सहभागिता रहे । ओस्टेक करके अँटवारके रोज ओरेक नेपालसे गाउँपालिकाके प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत खगेन्द्रराज जोशीलगायत विषयगत शाखाके प्रमुखहुकनसेफे जेसि कार्यान्वयनके चुनौती ओ लैङ्गिक समानता प्रवर्द्धनके लाग प्रतिविम्बात्मक सवांद कार्यक्रम कैगिल रहे ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

अन्तर्राष्ट्रिय

पुटिनसे औरे हप्ता रुस-युक्रेनबिच प्रत्यक्ष वार्ताके प्रस्ताव

काठमाडौं, २९ वैशाख । रुसी राष्ट्रपति भ्लादिमिर पुटिन अँट्वारके रोज किएभ ओ युरोपेली नेता सोम्मारसे बिना शर्त ३० दिने युद्धविरामके आह्वान करल कुछ घण्टापाछे मे १५ (जेठ १ गते) मे इस्तानबुलमे युक्रेनसँग प्रत्यक्ष वार्ता करना प्रस्ताव ढरले बटैं ।

युक्रेन, बेलायत, फ्रान्स, जर्मनी ओ पोल्यान्डके नेता शनिच्चरके रोज किएभमे रुस प्रस्तावमे सहमत नैहोके मस्कोउप्पर नयाँ प्रतिबन्ध लगैना ओ युक्रेनहे सैन्य समर्थन डेना धम्की डेले रहैं ।

क्रेमलिनमे १:०० (शनिच्चर २३०० जिएमटी) बजेपाछेक अपन बयानमे पुटिन उ आह्वानहे स्पष्ट रूपमे सम्बोधन नैकरलैं बरू यम्ने सट्टा ताजा रूस-युक्रेन वार्ताके लाग प्रति-प्रस्ताव प्रस्तुत करलैं ।

"हम्रे किएभ अधिकारीहे सन् २०२२ मे टुटल वार्ता पुनः सुरु करना प्रस्ताव करठि ओ ओइसिन वार्ता कौनो फेन पूर्व शर्तबिना रहे कना मै जोड डेठु," पुटिन कलैं ।

रुसी ओ युक्रेनी वार्ताकारसे द्वन्द्वके पहिल हप्तामे इस्तानबुलमे प्रत्यक्ष वार्ता करल रहे, मने लडाइँ रोक्न सहमत हुइ नैसेकल । ओकरपाछे द्वन्द्व निरन्तर जारी बा ।

"हम्रे इस्तानबुलमे बिफके रोज मे १५ मे ढिलाइ नैकैके (वार्ता) सुरु करना प्रस्ताव करटि," पुटिन कलैं । उहाँ वार्ताहि सहज बनैना सहयोग मागे टर्कीके राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगानसँग हलि बाट करना बटैलैं ।

उहाँ 'युक्रेनसँग गम्भीर वार्तामे प्रतिबद्ध' रहल ओ 'द्वन्द्वके मूल कारण हटैना ओ दीर्घकालीन शान्ति स्थापना करना' वार्ता चाहल बटैलैं ।

रुसके 'द्वन्द्वके मूल कारण' सम्बन्धी सन्दर्भसे सामान्यतहोरके किएभ ओ पश्चिमसँगके कथित गुनासोहे जनैना, जोन मस्को सन् २०२२ फेब्रुअरीमे आक्रमण सुरु करना औचित्यके रूपमे प्रस्तुत करल बा ।

यम्ने युक्रेनहे 'डि-नाजिफाई' करना, देशके पूर्वमे रूसी भाषीके रक्षा करना, नाटो विस्तारके विरुद्धमे पाछे धकेल्ना ओ युक्रेनके पश्चिमओरके भूराजनीतिक बहाव रोक्ना प्रतिज्ञा समावेश बा ।

रुसके आक्रमण साम्राज्यवादी शैलीके भूमि कब्जा बाहेक औरे कुछ नैहइल कटि किएभ ओ पश्चिम उ सबहे अस्वीकार करले बटैं ।

रुससे अपन आक्रमण सुरु करलसे दशौं हजारके मृत्यु हुइल बा कलेसे लाखौं मनै अपन घर छोरना बाध्य हुइल बटैं ।

"हम्रे यी वार्ताके क्रममे कुछ नयाँ युद्धविरामके सहमति हुइ सेक्ना बाट अस्वीकार नैकरब," पुटिन कलैं ।

उहाँ युक्रेनके पश्चिमी समर्थकहुकनहे 'रुससँग युद्ध जारी करे चाहल' आरोप लगैलैं ओ ३० दिने युद्धविरामके लाग विशेष युक्रेन-युरोपेली प्रस्तावके उल्लेख नैकैके- युरोपेली 'अल्टिमेटम' ओ 'रुस-विरोधी बयानबाजी' के आलोचना करलैं ।

महाकाली पुल आयोजनाके काम एक बरससे ठप्प

कञ्चनपुर, २९ बैशाख । महाकाली पुल आयोजनाके काम रुकल एक बरससे ढेर हुइल बावै । आभिन काम सुचारु हुइना कौनो तयारी डेखल नैहो । गैल बरस भदौमे महाकाली लडियामे आइल बाढसे पुलसँगे निर्माण हुइटी रहल पोखरीके गाइडबण्ड भत्काइल रहे ।

उक्त गाइडबण्ड फेन भेरिएसन नैहोके पुनः निर्माण हुइ नैसेकल हो । यदि तत्काल गाइडबण्ड निर्माण नैहुइ कलेसे पुलके पहुँच मार्गसँगे भीमदत्त नगरपालिका १२ ओ १३ का बस्तीसमेत जोखिममे पर्ना खतरा बह्दल बावै । 'यी आर्थिक बरसमे टे निर्माण कम्पनीसे काम करे नैपैलै,' महाकाली पुल आयोजनाके इन्जिनियर दुर्गा अवस्थी कहलै, 'न टे भेरिएसन हुइल, न निर्माण कम्पनीसे काम कैना वातावरण पाइल ।' ओहकान अनुसार गाइडबण्डके भेरिएसन नैहोके काम रुकल बा कलेसे पहुँच मार्गमे गड्डाचौकी क्षेत्रमे सडक कालोपत्रके काम स्थानीयके अवरोधके कारण रुकल बा ।

महाकाली लडियामे निर्माण करल चार लेनके पक्की पुलके लम्बाई ८ सय मिटर बा । उक्त क्षेत्रमे लडियाके चौडाइ करिब ३ किलोमिटर बा । लडियाके बीच्चे निर्माण करल पुलके डुनु ओर ६/६ सय मिटर चोडाइ ओ २८/२८ सय मिटर लम्बाइके पोखरी निर्माण हुइटी रहल बावै । उक्त गाइडबण्ड

निर्माणके लाग सुरुमे बरबार ढुंगाके प्रयोग कैना डिजाइन बनाइल रहे । मने बरबार ढुंगा नैपाइलपाछे कंक्रिट ओ तारजालीमे ढुंगा राखके गाइडबण्ड बनैना डिजाइन बनाइल हो । मने उक्त डिजाइन ढिला स्वीकृत हुइलपाछे हालसम भेरिएसन हुइल नैहो । गैल बरसके बाढसे गाइडबण्ड भत्काइलपाछे डिजाइन नै परिवर्तन कैना विषयमे समेत चर्चा हुइटी रहल बावै ।

आब हाली वर्षा सुरु नैहुइलेसे ढेरमे एक महिना किल लडियामे काम करे सेकजैना अवस्था बावै । अब्बे पुल आयोजनासे लडियाके धार परिवर्तनके काम करटी रहल बावै । यकर साथे जिल्ला विपद् व्यस्थापन समितिके बैठकसे उक्त क्षेत्रहे संकटग्रस्त घोषणा कैना सरकारसँग माग कैना निर्णय करले बावै । 'आसन्न जोखिमहे ध्यानमे राखके हम्रे विपदके लाग संकटग्रस्त घोषणाके लाग केन्द्रमे पठैले बटी,' प्रमुख जिल्ला अधिकारी लक्ष्मण ढकाल कहलै, 'गाइडबण्ड बनैही परी, लडियाच्यानलाइजेसन फेन करे पर्ना बावै, उ फेन एक महिनाभित्रे, ओहेमारे उप्परसे कुछ निर्णय हुइ कना हमार आशा हो ।' इहे बीच महाकाली आयोजनासे निर्माण कम्पनीसे हाठ झिक्ना तयारी करले बावै । लम्मा समयसम काम करे नैपाके ओस्टहे उल्झन हुइटी रहल बेला ठेक्का टुर्ना तयारी करल निर्माण कम्पनी कुमार श्रेष्ठ सीएफईसी जेभीके इनिजनियर किशोर पाण्डे बटैलै ।

निर्माण कम्पनीसे पुल आयोजना कार्यालय ओ सडक विभागमे समेत ठेक्का टुर्ना मेरके पत्र पठासेकल बावै । 'हम्रे कामे करे नैपैली, भेरिएसन करडेहे परल कहिके विभागसे मन्त्रालय ओ प्रधानमन्त्रीसम पुगसेक्ली, मने कुछ नैहुइल हो,' इनिजनियर पाण्डेय कहलै, 'भेरिएसन नैहोके गैल बरस पुहाके फेन ओस्टहे क्षति हुइल ।' माघ पहिल अँठ्वार गृहमन्त्री रमेश लेखक ओ भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्री देवेन्द्र दाहाल मन्त्रालयके प्राविधिक टोलीसहित पुल निर्माण स्थलमे पुगल रहिट । उहाँ काठमाडौं जाके तत्काल भेरिएसनसे आवश्यक काम कैके निर्माण प्रक्रिया आघे बह्दैना आश्वासन डेहल रहिट । मने हालसम कौनो प्रक्रिया आघे बह्दे सेकल नैहो ।

महाकालीपारके दोधारा चाँदनी नगरपालिकाहे सडक सञ्जालसँग जोर्ना ओ सुख्खा बन्दरगाह निर्माणके लाग २०७४ मे चार लेनके पुलसँगे करिब ८ किलोमिटर ६ लेनके सडक निर्माणके काम सुरु हुइल हो । तीन बरसभित्रे काम ओरैना मेरके ठेक्का सम्झौता हुइलेसे फेन कोरोना संक्रमणसे कबु बजेट अभाव टे कबु प्राविधिक कारणसे हालसम काम सम्पन्न हुइ सेकल नैहो । पाछेकचो निर्माण कम्पनी नै हाठ झिके लागलपाछे आउर अन्योल बह्दल बावै । पुल आयोजना कार्यालयके अनुसार हालसम भौतिक प्रगति ९५ प्रतिशत ओ वित्तीय प्रगति ९२ प्रतिशत होसेकल बावै । गाइडबण्ड ओ डेढ किलोमिटर सडक कालोपत्रके काम किल बाँकी रहल बा । पुल निर्माणमे हुइल ढिलाइसे ठेक्का सम्झौता २ अर्ब २७ करोड रलेसे फेन पाछेकचो यकर लागत बढेर ३ अर्ब ७७ करोड पुगल बावै ।

वाईसीएलके सुदूरपश्चिम प्रदेश सम्मेलन धनगढीमे हुइना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २९ बैशाख । नेकपा (माओवादी केन्द्र) के भातृ संगठन योङ कम्युनिष्ट लिग (वाईसीएल)के प्रथम सुदूरपश्चिम सम्मेलन हुइना हुइल बावै ।

सम्मेलन इहे बैशाख ३० ओ ३१ गते धनगढीमा हुइना ओ सम्मेलनके तयारी पूरा हुइल वाईसीएलके केन्द्रीय उपमहासचिव तथा सुदूरपश्चिम इन्चार्ज मीनबहादुर घर्तीमगर 'विश्व' जानकारी डेलै ।

उहाँ सम्मेलनमे प्रदेशके नौ जिल्लासे दुई सय २८ जाने प्रतिनिधिके सहभागिता रहना बटैलै । उहाँ कहलै, 'प्रत्येक पालिकासे दुई जनहनके दरसे प्रत्येक जिल्लासे पाँच जाने ओ प्रदेशसे सात जाने प्रतिनिधिके सहभागिता रहना बावै ।'

सम्मेलनसे १३ पदाधिकारीसहित ७१ सदस्यीय लावा कार्यसमिति चयन कैना उहाँ जानकारी डेलै । इन्चार्ज घर्तीमगरके अनुसार कार्यसमितिमे ३३ प्रतिशत महिला अनिवार्य राखजैना बावै ।

बैशाख ३० गते २ बजे धनगढीके रिद्धीसिद्धी पार्टी प्यालेसमे सम्मेलन उद्घाटन हुइना उहाँ जानकारी डेलै ।

सम्मेलन उद्घाटनपूर्व १२ से १ बजेके बिचमे धनगढी चौराहासे न्याली निकारजैना उहाँ बटैलै ।

सम्मेलनके उद्घाटन माओवादी केन्द्रके उपमहासचिव तथा सुदूरपश्चिम प्रदेश इन्चार्ज गिरिराजमणि पोखरेल कैना जनाइल बावै । वाईसीएलके फ्याक्सन इन्चार्ज रामप्रसाद सापकोटा 'दीपशिखा', वाईसीएलके केन्द्रीय अध्यक्ष सुवोध श्रीपाली, बरिष्ट उपाध्यक्ष कसन गुरुङ, उपाध्यक्ष मञ्जु बम, महासचिव गणेश राईलगायतके उपस्थिति रहना जनाइल बावै ।

सम्मेलनके उद्घाटन कार्यक्रममे सुदूरपश्चिमके कला संस्कृति झल्कना छलिया नाच, थारु झुम्रा नाच, मगर समुदायके नौमति बाजा ओ मारुनी नाचलगायत प्रस्तुत कैना इन्चार्ज घर्तीमगर जानकारी डेलै ।

सर्वोच्चके आदेशमे आयोगके परीक्षा स्थगित

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २९ वैशाख । सुदूरपश्चिम प्रदेश लोकसेवा आयोगसे प्रदेश निजामती सेवाके अधिकृत नवौं तहके परीक्षा स्थगित करले बावै ।

सर्वोच्च अदालतके अल्पकालीन अन्तरिम आदेश जारीपाछे प्रदेश लोकसेवा आयोगसे हालके लाग उक्त परीक्षा स्थगित करल हो । आयोगसे अप्राविधिक/प्राविधिक पदके ज्येष्ठता ओ कार्य सम्पादन मूल्यांकनमे हुइना बढुवा ओ कार्य क्षमताके मूल्यांकनसे हुइना बढुवाके पदपूर्तिके लाग अधिकृत नवौं तहके विज्ञापन फागुन २० गते निकारल रहे ।

आयोगसे ज्येष्ठता, कार्यसम्पादन मूल्यांकनके आधारमे प्राविधिक ओर ३० पद्मा ३५ जाने ओ कार्य क्षमता मूल्यांकनके आधारमे प्राविधिक ओर ४९ पद्मा ५० जहनके पदपूर्तिके लाग विज्ञापन खोलल् रहे । मने, समूहभित्रे आन्तरिक प्रतियोगिताके परीक्षा डेहे नैपैना कहटी कृषि समूह ओ वन सेवा समूहके कर्मचारी सर्वोच्चमे रिट दायर करल रहिट । रिटउपर सुनुवाइ कैटी सर्वोच्चसे वैशाख २२ गते प्रदेश लोकसेवा आयोगके नाउँमे अल्पकालीन अन्तरिम आदेश जारी करल रहे ।

सर्वोच्चके आदेश पत्र आयोगहे प्राप्त हुइलपाछे आघेक सूचना बमोजिमके परीक्षा कार्य आघे नैबहाके तत्कालके लाग स्थगित करल आयोगके शाखा अधिकृत मिना जोशी जानकारी डेली । सर्वोच्च अदालतसे औरे आदेश नैहुइटसम हाल उक्त सूचनाके परीक्षाके कार्य हालके लाग स्थगित कैना आयोगके नाउँमे अल्पकालीन अन्तरिम आदेश जारी करले बावै ।

नेरुडे मिर्मिरे लघुवित्तसे...

साक्षारता प्रस्तुतीकरण हसुलिया शखा प्रमुख झपट खडका करल रहिट । वित्तीय साक्षरता सम्बन्धी जनचेतनामुलक मुलक जानकारी तथा भिडियो सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रमुख विरेन्द्रकुमार झा डेहल रहिट । समग्र कार्यक्रमके बारेमे सुदूरपश्चिम तथा कर्णाली प्रदेश कार्यालयमे कार्यरत रहल कनिष्ठ अधिकृत आयोग घिमिरे प्रकाश पारल रहिट ।

कार्यक्रममे उत्कृष्ट केन्द्रहुकन ओ सम्मान तथा पुरस्कार वितरण कैगिल बा । सम्मानित हुइलमे प्रथम केन्द्र ०७४ प्रगती मिर्मिरे महिला समुहके केन्द्र प्रमुख जुना अधिकारी, दुसरा ०२९ मिलन मिर्मिरे महिला समुहके केन्द्र प्रमुख गुलिया देवी चौधरी, टिसरा केन्द्र ०१ जगदबा मिर्मिरे महिला समुहके केन्द्र प्रमुख दिलकुमारी चौधरी सम्मानित हुइल बटै । उत्कृष्ट सदस्यहुकनहे सम्मान तथा प्रमाणपत्र वितरण कैगिल हो ।

ओस्टेक करके उत्कृष्ट कर्जा करोबार सदस्य कमला देवी पुलामी मगर केन्द्र नम्बर ४५ नारी चेतना मिर्मिरे महिला समुहमे सम्मान करल बा । उत्कृष्ट कर्जा तथा बचत कारोबार करुइया सदस्य पवित्रा बोहरा केन्द्र नम्बर ०४ लालीगुराँस मिर्मिरे महिला समुह रहल बा । उत्कृष्ट बचत कारोबार करुइया सदस्य सिराकुमारी चौधरी केन्द्र नम्बर ०३ डि गाउँ मिर्मिरे महिला रहल बा । उत्कृष्ट कर्जा तथा बचत कारोबार करुइया सदस्य मिना कुमारी चौधरी केन्द्र नम्बर ०३ इन्द्रेणी मिर्मिरे महिला समुहहे सम्मान कैगिल बा ।

नेरुडे मिर्मिरे लघुवित्त वित्तीय संस्था लिमिटेडके अत्तरिया शाखा प्रमुख नरेश बोहरा, आइविआरडी शाखा प्रमुख जानकी शाहलगायत महिला केन्द्र प्रमुख तथा सदस्यहुकनके सहभागिता रहल रहे ।

डढेलोबाट वनजङ्गल बचाऔं, पर्यावरण जोगाऔः

- घाँस दाउरा गर्न वनजङ्गलमा जाँदा चुरोट, बिडी नखाऔं,
- वनभोजपछि चुल्होको आगो राम्ररी निभाऔं,
- खेतबारी, खरबारी र खर्कमा आगो नलगाऔं,
- मानव बस्ती वरिपरि अग्नि नियन्त्रण रेखा बनाऔं,
- स्थानीय प्रशासन, वन, स्थानीय तह, प्रहरी कार्यालय, रेडक्रसलगायत अन्य संघ-संस्थाको सम्पर्क नम्बर सुरक्षित राखौं,
- वनमा डढेलो लागेको देख्ने वित्तिकै नजिकैको प्रहरी, वन कार्यालय, स्थानीय प्रशासन र स्थानीय तहलाई खबर गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

डा. संजयकुमार गुप्ता

एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)

इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ

एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ह्याउ-ह्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९